NBT PAGE 4

यूपीपीएससी की परीक्षा में हुआ चयन

एलयू के छह शोधार्थी बनेंगे असिस्टेंट प्रफेसर

■ एनबीटी, लखनऊः उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की तरफ से हुई असिस्टेंट प्रोफेसर के चयन की परीक्षा में लखनऊ यूनिवर्सिटी के वनस्पति विभाग से छह विद्यार्थियों का चयन हुआ है। ये शोधार्थी वनस्पति विभाग के डॉ. एसएन पांडेय की निगरानी में पीएचडी कर रहे हैं।

डॉ. एसएन पांडेय को भारतीय वनस्पति सोसायटी का फैलो चुना गया

मिथलेश कुमार और अमलेश यादव प्रो. गौरी सक्सेना के पर्यवेक्षण में पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं, वीरेंद्र कुमार और शैलजा त्रिपाठी प्रो. गीता अस्थाना के पर्यवेक्षण में शोध कर रही हैं। ओमेर और सोनू यादव भी परीक्षा में सफल हुए हैं। डॉ. एसएन पांडेय को भारतीय वनस्पति सोसायटी के फैलो के रूप में चुना गया है। डॉ. पांडेय 1994 से प्लांट फिजियॉलजी और बायोरेमेडिएशन के क्षेत्र में काम करते हैं। उन्होंने किताबों के संपादन के अलावा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति के 70 शोध पत्र, समीक्षाएं और पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए हैं।

एलयू की छात्राएं सीखेंगी ताइक्वॉन्डो

■ एनबीटी, लखनऊः मिशन शक्ति के तहत लखनऊ यूनिवर्सिटी में महिला आत्मरक्षा के लिए ताइक्वॉन्डो कार्यशाला का आगाज बुधवार से हुआ। प्रशिक्षण के लिए 157 छात्राओं ने पंजीकरण करवाया है। ली ताइक्वॉन्डो अकादमी के तौफीक अहमद और लक्ष्मी राजावत ताइक्वॉन्डो का प्रशिक्षण देंगे। अभियांत्रिकी और टेक्नॉलजी संकाय के सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल विभाग के संयुक्त रूप से तीन दिवसीय कार्यशाला चलेगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि इससे महिला सशक्तिकरण को बल मिलेगा। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों और अभिभावकों को डॉ. शशिबाला ने लैंगिक समानता को जीवन में अपनाने के लिए शपथ दिलवाई। इस दौरान प्रो. बीडी सिंह, प्रो.सीपी सिंह, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. मो. अहमद और अभियांत्रिकी संकाय के इंचार्ज प्रो. आरएस गुप्ता मौजूद रहे।

I-NEXT PAGE 4

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों में होगी ऑफलाइन काउंसिलिंग

लखनऊ विश्वविद्यालय: कम दाखिले की वजह से पाठ्यक्रम बंद होने की समस्या को देखते हुए किया जा रहा बदलाव

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस बार स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के लिए ऑफलाइन काउंसिलिंग प्रस्तावित की गई है। इसके तहत सभी आवेदकों को एक साथ फीस जमा करने के लिए बुलाया जाएगा। इससे निर्धारित संख्या में दाखिले नहीं होने की वजह से कोर्स का संचालन बंद होने जैसी समस्या से बचा जा सकेगा।

विश्वविद्यालय में इस बार एमएससी इनवायरमेंटल साइंस तथा एमए गृहविज्ञान पाठ्यक्रम बंद होने के बाद काफी हंगामा हुआ था। अभ्यर्थियों का कहना था कि उन्हें फीस जमा करते वक्त यह नहीं बताया गया कि पाठ्यक्रम चलेगा या नहीं। अगर उसी वक्त फीस जमा पता चल जाता तो वे अन्य कोर्स में दाखिला ले लेते। इससे उनका साल बर्बाद नहीं होता। विश्वविद्यालय में अभी ऑनलाइन काउंसिलिंग के बाद अभ्यर्थियों को फीस भी ऑनलाइन जमा करने को कहा जाता है। यहां के नियमों के अनुसार स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम में सीट के मुकाबले 60 फीसदी दाखिले होने पर ही कोर्स का संचालन होता है। ऑनलाइन फीस जमा होने की वजह से विश्वविद्यालय को यह जानकारी नहीं हो पाती कि पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए कितने अभ्यर्थी तैयार हैं। कई बार ऐसा होता है कि तय संख्या के मुकाबले एक या दो ही दाखिले कम होते हैं और कोर्स का संचालन नहीं हो पाता है। इसको देखते हुए विश्वविद्यालय ने इस बार तैयारी की है कि अभ्यर्थी ऑफलाइन काउंसिलिंग के बाद मौके पर ही फीस जमा करें। इससे अंदाजा हो जाएगा कि 60 फीसदी दाखिले हो रहे हैं या नहीं। इससे पता चल सकेगा कि तय सीटें भर रही हैं या नहीं। ऐसे में कोर्स का संचालन न होने पर अभ्यर्थियों को फीस जमा नहीं करनी होगी। वहीं मौके पर अभ्यर्थियों को यह विकल्प भी दिया जा सकेगा कि वे अर्हता पूरी करने वाले किसी अन्य पाठ्यक्रम में चाहे तो दाखिला ले लें। इससे लविवि के पाठ्यक्रम का संचालन भी हो सकेगा तथा अभ्यर्थियों का साल भी बर्बाद नहीं होगा।

आज तक ही दे सकेंगे पीएचडी की सीटों का ब्योरा

विश्वविद्यालय की एडमिशन टीम ने सभी विभागाध्यक्षों को उनके यहां की पीएचडी सीट का ब्योरा देने के लिए दो दिन का अतिरिक्त समय दिया है। पहले विभागाध्यक्षों को 23 फरवरी तक यह सूचना देनी थी। अब इसे बढ़ाकर 25 फरवरी कर दिया गया है। विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2020-21 में पीएचडी दाखिले नहीं हुए हैं। इसलिए सबसे पहले पीएचडी के दाखिले करने का फैसला किया गया है। इसके साथ ही स्नातक के आवेदन फॉर्म जारी किए जाएंगे पर प्रवेश प्रक्रिया पहले पीएचडी की ही पूरी की जाएगी।

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए भेजा गया विभागाध्यक्षों को पत्र

विश्वविद्यालय की प्रवेश टीम ने सभी विभागाध्यक्षों को स्नातक पाठ्यक्रमों के संबंध में पूरा ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। विभागाध्यक्ष अपने यहां संचालित पाठ्यक्रम, फीस, अर्हता और सीट संख्या के बारे में बताएंगे। इसी आधार पर दाखिले के लिए विज्ञापन जारी किया जाएगा। विश्वविद्यालय में इस समय स्नातक स्तर पर करीब 3800 सीट हैं। इनमें दाखिले के लिए 9 मार्च से ऑनलाइन आवेदन फॉर्म मांगे जाएंगे।

विभाग बताएंगे अपने यहां के पाठ्यक्रमों की विशेषता

अभ्यर्थियों को आकर्षित करने के लिए विभागाध्यक्षों से उनके यहां के पाठ्यक्रमों की विशेषता बताने को कहा गया है। सभी विभाग अपने यहां के पाठ्यक्रमों की विशेषता, प्लेसमेंट तथा अवसरों के बारे में विभिन्न साधनों के माध्यम से उन्हें बताएंगे। यह व्यवस्था इसलिए की जा रही है जिससे कि अभ्यर्थियों को पाठ्यक्रमों के फायदे पता चल सकें और यहां टॉपर्स के दाखिले हों।

ऑफलाइन काउंसिलिंग पर विचार

“ स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों का संचालन कार्य परिषद में पास हुए नियमों के अधीन किया जाता है। उनमें बदलाव नहीं किया जा सकता है। कम दाखिले की वजह से पाठ्यक्रम का संचालन बंद न हो, इसलिए इनकी काउंसिलिंग ऑफलाइन करने पर विचार किया जा रहा है, जिससे कि अभ्यर्थियों को परेशानी न हो।
-प्रो.आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

HINDUSTAN PAGE 6

सहायक प्रोफेसर के लिए छह चयनित

लखनऊ। लोक सेवा आयोग प्रयागराज की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर का परिणाम घोषित किया गया है। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग से 6 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। बॉटनी विभाग के डॉ एसएन पांडे के पर्यवेक्षण में पीएचडी कर रहे मिथलेश कुमार, अमलेश यादव, प्रो गौरी सक्सेना के पर्यवेक्षण में वीरेंद्र कुमार, शैलजा त्रिपाठी और प्रो गीता अस्थाना के पर्यवेक्षण में शोध कर रहे ओमेर और सोनू यादव परीक्षा में सफल हुए हैं।

लविवि शिक्षक संघ का चुनाव 9 मार्च को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) का चुनाव 9 मार्च को होगा और इसी दिन रिजल्ट जारी होगा। शिक्षक संघ चुनाव अधिकारी प्रो. राजीव मनोहर ने बुधवार को इसका कार्यक्रम जारी कर दिया है। कार्यक्रम के अनुसार 25 फरवरी को वोटर लिस्ट का प्रकाशन, 26 फरवरी तक सुधार और 27 फरवरी को वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन होगा। एक मार्च से नॉमिनेशन होंगे। दो मार्च को नाम वापस लिया जा सकेगा। इसी दिन सभी प्रत्याशियों का नाम घोषित किया जाएगा। इसके बाद 9 मार्च को चुनाव और रिजल्ट घोषित किया जाएगा।

बॉटनी विभाग के छह विद्यार्थियों का चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग के छह विद्यार्थियों का उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा में चयन हुआ है। इसमें बॉटनी विभाग के डॉ. एसएन पांडे के पर्यवेक्षण में पीएचडी कर रहे मिथलेश कुमार और अमलेश यादव, प्रो. गौरी सक्सेना के पर्यवेक्षण में अध्ययन कर रहे वीरेंद्र कुमार और शैलजा त्रिपाठी और प्रो. गीता अस्थाना के पर्यवेक्षण में अपना शोध कर रहे ओमेर और सोनू यादव शामिल हैं।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

पांच से होगी आयुर्वेद संकाय की परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय की परीक्षा पांच मार्च से 22 मार्च तक पुराने परिसर में होगी। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की मांग पर आयुर्वेद संकाय की परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है।परीक्षा का समय सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे के बीच होगी। परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम लविवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

AMRIT VICHAR PAGE 2

पर्शियन विभाग के सहयोग से प्रकाशित हुई ईरानी पत्रिका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पर्शियन विभाग ने बुधवार को ईरानी के अलाम-ए-तबाताबाई विवि के सहयोग से पत्रिका का प्रकाशन किया है। इसके संपादक मंडल में पर्शियन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आरिफ अयूबी को नाम शामिल किया गया है। प्रो. अयूबी ने बताया कि यह त्रैमासिक पत्रिका 'कल्चरल डायलॉग स्प्रिचुअल एंड मिस्टिसिज्म' ईरान कल्चर हाउस की ओर से प्रकाशित की गई है। पत्रिका में भारत और ईरान के आध्यात्म तथा रहस्यवाद के संबंध में विशिष्ट लेखों का संग्रह रहेगा। लविवि के पर्शियन विभाग में पर्शियन भाषा सिखाने के लिए कई अभिनव प्रयोग किए जाते हैं। इनमें हिंदी फिल्मों की पर्शियन डबिंग का तरीका काफी चर्चित रहा है।

PIONEER PAGE 3

मिशन शक्ति के तहत ताइक्वांडो कार्यशाला का शुभारंभ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी और टेक्नोलॉजी संकाय के सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से तीन दिवसीय महिला आत्मरक्षा के तहत ताइक्वांडो कार्यशाला का आयोजन बुधवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। जिसका उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने किया विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अपने संबोधन में इस कार्यक्रम को महिला सशक्तिकरण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों को डॉ शशिबाला ने लैंगिक समानता को जीवन में अपनाने हेतु शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन संकाय की छात्राओं आकांक्षा पांडे एवं मानसी रानी द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में 3 दिनों तक ली ताइक्वांडो एकेडमी के तौफीक अहमद एवं लक्ष्मी राजावत द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु ताइक्वांडो का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण हेतु 157 छात्राओं द्वारा पंजीकरण कराया गया है। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में प्रोफेसर बीण्डी सिंह, प्रोफेसर सीपी सिंह, प्रोफेसर पूनम टंडन, प्रोफेसर मोहम्मद अहमद एवं अभियांत्रिकी संकाय के इंचार्ज प्रोफेसर आरएस गुप्ता सहित संकाय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

एलयू के छह छात्र असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए चयनित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर के चयन की परीक्षा में लखनऊ विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग से 6 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। बॉटनी विभाग के डॉ एसएन पांडे के पर्यवेक्षण में अपने पीएचडी का कार्य संपन्न कर रहे मिथलेश कुमार और अमलेश यादव, प्रो गौरी सक्सेना के पर्यवेक्षण में अध्ययन कर रहे वीरेंद्र कुमार और शैलजा त्रिपाठी और प्रो गीता अस्थाना के पर्यवेक्षण में अपना शोध कर रहे ओमेर और सोनू यादव इस परीक्षा में सफल हुए हैं।

JAGRAN CITY PAGE I

एंट्रेंस में माइनस मार्किंग से आजादी

एलयू ने यूजी, पीजी व पीएचडी में एंट्रेंस एग्जाम के लिए नियम में किया बदलाव

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (24 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने यूपी, पीजी व पीएचडी की प्रवेश परीक्षा के नियम में संशोधन किया है. अब प्रवेश परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं होगी. यह बदलाव आगामी सत्र के एंट्रेंस एग्जाम में लागू होगा. एलयू यूजी, पीजी पीएचडी एवं पीजी डिप्लोमा में एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षा कराता है. अभी तक प्रवेश परीक्षा में माइनस 1 की निगेटिव मार्किंग होती थी. यानी किसी भी प्रश्न का जवाब गलत होने पर सही उत्तर के अंकों में से एक अंक कट जाता था.

एलयू के एंट्रेंस एग्जाम में अब नहीं की जाएगी माइनस मार्किंग.

मांगा सीटों का ब्योरा

एलयू परिसर में बीए, बीएससी, बीकाम, यूजी मैनेजमेंट, बीवोक, एलएलबी पांच इयर कोर्स सहित यूजी के करीब 10 कोर्स संचालित किए जाते हैं. इनमें एडमिशन के लिए नौ मार्च से आवेदन शुरू होने हैं. डेट घोषित करने के बाद यूनिवर्सिटी की एडमिशन सेल ने तैयारी भी शुरू कर दी हैं. सभी विभागों से यूजी की कोर्सवार सीटें, अर्हता संबंधी विवरण मांगा गया है. पिछले साल यूनिवर्सिटी परिसर में यूजी की 3,800 सीटों पर प्रवेश हुए थे.

“अभी तक यूजी, पीजी या जिन पाठ्यक्रमों में एंट्रेंस एग्जाम होता था. उनमें हर गलत उत्तर पर माइनस 1 मार्किंग थी. जिसे अब खत्म कर दिया गया है. प्रो. पंकज माथुर, एडमिशन कोऑर्डिनेटर, एलयू

22 मार्च से शुरू होंगे बीएएमएस के एग्जाम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (24 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एंड सर्जरी बीएएमएस का एग्जाम का शेड्यूल जारी कर दिया है. एग्जाम 5 मार्च से शुरू होकर 22 मार्च तक चलेंगे. ये एग्जाम यूनिवर्सिटी कैंपस में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होंगे.

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने जारी किया एग्जाम शेड्यूल

17 फरवरी को किया था विरोध

राज्य आयुर्वेद कॉलेज में पढ़ने वाले बीएएमएस के स्टूडेंट्स एग्जाम न होने से परेशान थे और इसे लेकर वे 17 फरवरी को नाराज होकर यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन पहुंच गए थे. जिसके बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कॉलेज प्रशासन से जवाब तलब किया था. परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि आयुर्वेद संकाय का एग्जाम का शेड्यूल जारी कर दिया गया है.

शोध समिति से पास करा देनी होंगी सीटें

एलयू के कुलसचिव ने डीन व हेड को दिया 25 फरवरी तक मौका

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (24 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी रेगुलर और पार्ट टाइम पीएचडी दाखिले एक साथ करेगा. इसके लिए आनलाइन आवेदन पत्र यूजी के साथ ही शुरू करने की तैयारी है. सभी विभागों से पीएचडी सीटों का ब्योरा 23 फरवरी तक मांगा गया था, लेकिन इसमें संशोधन करते हुए 25 फरवरी तक समय दिया गया है. सभी विभागों को पार्ट टाइम और फुल टाइम पीएचडी की सीटों का ब्योरा विभागीय शोध समिति (डीआरसी) के माध्यम से पास कराते हुए उपलब्ध करानी होंगी.

नया आर्डिनेंस लागू

एलयू ने पीएचडी 2020 का नया आर्डिनेंस लागू किया है. नए सत्र से इसी आर्डिनेंस के अनुसार पीएचडी में प्रवेश लिए जाएंगे. इस बार नौकरी करने वालों के लिए भी पार्ट टाइम पीएचडी की सुविधा लागू की जाएगी. पार्ट टाइम पीएचडी एनरोलमेंट के लिए प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर ही पात्र होंगे.

असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर लविवि के छह छात्र चयनित

लखनऊ (एसएनबी)। उप्र लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर के चयन की परीक्षा में लखनऊ विश्वविद्यालय के वॉटनी विभाग से छह विद्यार्थियों का चयन हुआ है। वॉटनी विभाग के डा. एस.एन. पांडे के पर्यवेक्षण में अपने पीएचडी का कार्य संपन्न कर रहे मिथलेश कुमार और अमलेश, प्रो. गौरी सक्सेना के पर्यवेक्षण में अध्ययन कर रहे वीरेंद्र कुमार और शैलजा त्रिपाठी तथा प्रो. गीता अस्थाना के पर्यवेक्षण में अपना शोध कर रहे ओमेर और सोनू यादव इस परीक्षा में सफल हुए हैं।

वहीं लविवि के अभियांत्रिकी और टेक्नोलॉजी संकाय के सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से महिला आत्मरक्षा के तहत ताइक्वांडो कार्यशाला का आयोजन मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्घाटन लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। कार्यक्रम का संचालन आकांक्षा पांडे एवं मानसी रानी द्वारा किया गया। कार्यशाला में तीन दिनों तक 'ली ताइक्वांडो एकेडमी के तौफीक अहमद एवं लक्ष्मी राजावत द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए ताइक्वांडो का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

छात्राओं को दिए सुरक्षा के टिप्स

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी और टेक्नोलॉजी संकाय के सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से तीन दिवसीय महिला आत्मरक्षा के तहत ताइक्वांडो कार्यशाला का आयोजन मिशन शक्ति के तहत किया गया। उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

कुलपति ने अपने संबोधन में इस कार्यक्रम को महिला सशक्तिकरण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों को डॉ शशिबाला ने लैंगिक समानता को जीवन में अपनाने हेतु शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन संकाय की छात्राओं आकांक्षा पांडे एवं मानसी रानी द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में 3 दिनों तक 'ली ताइक्वांडो एकेडमी के तौफ़ीक़ अहमद एवं लक्ष्मी राजावत द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु ताइक्वांडो का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रवेश परीक्षा में नहीं होगी निगेटिव मार्किंग

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी की प्रवेश परीक्षा के नियम में संशोधन कर दिया है। अब प्रवेश परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। यानी छात्रों ने यदि कोई प्रश्न का उत्तर गलत भी कर दिया है तो भी उसके अंक नहीं कटेंगे। यह बदलाव आगामी सत्र की प्रवेश परीक्षाओं में लागू होगा। इससे छात्रों को भी फायदा मिलेगा।

लविवि स्नातक, परास्नातक, पीएचडी एवं पीजी डिप्लोमा कोर्सों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक अभी तक प्रवेश परीक्षा में माइनस वन की निगेटिव मार्किंग होती थी। यानी किसी भी प्रश्न का जवाब गलत होने पर सही उत्तर के अंकों में से एक अंक कट जाता था, जिसकी वजह से बहुत से छात्र-छात्राएं पूरा पेपर नहीं हल करते थे। अब विश्वविद्यालय ने निगेटिव मार्किंग की व्यवस्था खत्म कर दी है।

मांगा सीटों का ब्योरा : लविवि परिसर में बीए, बीएससी, बीकाम, यूजी मैनेजमेंट, बीवोक, एलएलबी पांच वर्षीय सहित स्नातक के करीब नौ से 10 कोर्स संचालित हैं। इनमें दाखिले के लिए नौ मार्च से आवेदन शुरू होने हैं। तिथि घोषित करने के बाद विश्वविद्यालय की एडमिशन सेल ने तैयारी भी शुरू कर दी है। सभी विभागों से यूजी की कोर्सवार सीटें, अर्हता संबंधी विवरण मांगा गया है। पिछले साल विश्वविद्यालय परिसर में यूजी की 3,800 सीटों पर प्रवेश हुए थे। कोविड की वजह से यह सभी दाखिले प्रवेश परीक्षा के स्थान पर मेरिट से लिए गए थे। इस बार प्रवेश परीक्षा होगी। वहीं, पीजी में एमसीक्यू (मल्टीपल च्वाइस क्वेश्चन) आधारित प्रवेश परीक्षा हुई थी। पीजी डिप्लोमा कोर्सों में भी परीक्षा से दाखिले लिए जाएंगे।

6 अभी तक यूजी, पीजी या जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा होती थी, उनमें हर गलत उत्तर पर माइनस वन मार्किंग थी। यह प्रविधान खत्म कर दिया गया है।
– **प्रो. पंकज माथुर,** एडमिशन कोऑर्डिनेटर, लविवि

25 तक दें पीएचडी की सीटों का ब्योरा

लविवि रेगुलर और पार्ट टाइम पीएचडी दाखिले एक साथ करेगा। इसके लिए आनलाइन आवेदन पत्र यूजी के साथ ही शुरू करने की तैयारी है। सभी विभागों से पीएचडी सीटों का ब्योरा 23 फरवरी तक मांगा गया था, लेकिन इसमें संशोधन करते हुए 25 फरवरी तक समय दिया गया है। सभी विभागों को पार्ट टाइम और फुल टाइम पीएचडी की सीटों का ब्योरा विभागीय शोध समिति (डीआरसी) के माध्यम से पास कराते हुए उपलब्ध करानी होंगी। लविवि ने पीएचडी 2020 का नया आर्डिनेंस लागू किया है। नए सत्र से इसी आर्डिनेंस के तहत पीएचडी में प्रवेश लिए जाएंगे।

लविवि के छह छात्र असिस्टेंट प्रोफेसर बने

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज की ओर से आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर के चयन की परीक्षा में लखनऊ विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग से छह विद्यार्थियों का चयन हुआ है। बॉटनी विभाग के डॉ एसएन पांडे के पर्यवेक्षण में पीएचडी का कार्य संपन्न कर रहे मिथलेश कुमार और अमलेश यादव, प्रो. गौरी सक्सेना के पर्यवेक्षण में अध्ययन कर रहे वीरेंद्र कुमार और शैलजा त्रिपाठी और प्रो गीता अस्थाना के पर्यवेक्षण में अपना शोध कर रहे ओमेर और सोनू यादव इस परीक्षा में सफल हुए हैं।

बीएएमएस की परीक्षाएं पांच मार्च से, शेड्यूल जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बैचलर आफ आयुर्वेद मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) की परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षाएं पांच मार्च से शुरू होकर 22 मार्च तक संचालित होंगी। इन परीक्षाओं का केंद्र लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर होगा, साथ ही इसका समय सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने आयुर्वेद संकाय की इन परीक्षाओं का विस्तृत शेड्यूल वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दिया है।

राज्य आयुर्वेद कालेज में पढ़ने वाले बीएएमएस के छात्र-छात्राएं परीक्षा न होने से परेशान थे। कई दिनों से विश्वविद्यालय के चक्कर लगा रहे छात्रों का कहना था कि कोर्स पूरा होने के दो महीने बाद भी परीक्षा नहीं कराई गई। इसको लेकर छात्र-छात्राएं बीते 17 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन पहुंच गए थे, जिसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने कालेज प्रशासन से जवाब तलब किया था। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि अब आयुर्वेद संकाय की परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। छात्र निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उसमें शामिल हों।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

असिस्टेंट प्रोफेसर बने लविवि के छह छात्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर के चयन की परीक्षा में लविवि के बॉटनी विभाग से 6 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। बॉटनी विभाग के डॉ एसएन पांडे के पर्यवेक्षण में अपने पीएचडी का कार्य संपन्न कर रहे मिथलेश कुमार और अमलेश यादव, प्रो गौरी सक्सेना के पर्यवेक्षण में अध्ययन कर रहे वीरेंद्र कुमार और शैलजा त्रिपाठी, और प्रो गीता अस्थाना के पर्यवेक्षण में अपना शोध कर रहे ओमेर और सोनू यादव इस परीक्षा में सफल हुए हैं।

डॉ. एसएन पांडे का फेलो में चयन

लखनऊ। लविवि के वनस्पति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एसएन पांडे को भारतीय वनस्पति सोसायटी (देश के सबसे पुराने संगठन में से एक) के फैलो के रूप में चुना गया है। डॉ पांडे 1994 से प्लांट फिजियोलॉजी और बायोरेमेडिएशन के क्षेत्र में काम करते हैं। उन्होंने अपनी रुचि के क्षेत्र में पुस्तकों के संपादन के अलावा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के 70 शोध पत्र, समीक्षाएं और पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

ताइक्वांडो प्रशिक्षण को 157 छात्राओं ने कराया पंजीकरण

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के टेक्नोलॉजी संकाय के सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल विभाग द्वारा तीन दिवसीय महिला आत्मरक्षा के तहत ताइक्वांडो कार्यशाला का आयोजन मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। जिसका उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने किया। कुलपति ने अपने संबोधन में इस कार्यक्रम को महिला सशक्तिकरण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों को डॉ शशिबाला ने लैंगिक समानता को जीवन में अपनाने हेतु शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन संकाय की छात्राओं आकांक्षा पांडे एवं मानसी रानी ने किया। इस कार्यशाला में 3 दिनों तक ली ताइक्वांडो एकेडमी के तौफ़ीक़ अहमद एवं लक्ष्मी राजावत द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु ताइक्वांडो का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण हेतु 157 छात्राओं द्वारा पंजीकरण कराया गया है। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में प्रोफेसर बी.डी सिंह, प्रोफेसर सी.पी सिंह, प्रोफेसर पूनम टंडन, प्रोफेसर मोहम्मद अहमद एवं अभियांत्रिकी संकाय के इंचार्ज प्रोफेसर आर.एस. गुप्ता सहित संकाय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय बॉटनी विभाग के 6 छात्र चयनित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर के चयन की परीक्षा में लखनऊ विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग से 6 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। बॉटनी विभाग के डॉ एसएन पांडे के पर्यवेक्षण में अपने पीएचडी का कार्य संपन्न कर रहे मिथलेश कुमार और अमलेश यादव, प्रो गौरी सक्सेना के पर्यवेक्षण में अध्ययन कर रहे वीरेंद्र कुमार और शैलजा त्रिपाठी और प्रो गीता अस्थाना के पर्यवेक्षण में अपना शोध कर रहे ओमेर और सोनू यादव इस परीक्षा में सफल हुए।